बुधवार
10 मई 2023

पृष्ठ 4

बेहतर पाचन के लिए जरूरी है सही तरीके से पानी पीना

पृष्ठ 3

दीपिका पादुकोण और कैटरीना कैफ करेंगी जासूसी

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 99
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

लोकतंत्र के पौधे का, चाहे वह किसी भी किस्म का क्यों न हो तानाशाही में पनपना संदेहास्पद है।

– जयप्रकाश नारायण

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

अव्यवस्थाओं के बीच यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

सरदर्द बनी हेली सेवा और बुकिंग

विशेष संवाददाता

देहरादून। भले ही चार धाम यात्रा शुरू होने से लेकर अब तक मौसम अनुकूल न रहा हो लेकिन यात्रा में उमड़ रहा श्रद्धालुओं का सैलाब नए रिकॉर्ड बना रहा है। वही यात्रा पर हावी अव्यवस्थाएं श्रद्धालुओं के लिए बड़ी परेशानियों का सबब बनी हुई है। केदारनाथ धाम आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सबसे बड़ा सर दर्द हेली सेवा बनी हुई है।

22 अप्रैल से शुरू हुई चार धाम यात्रा के लिए अब तक 26 लाख 86 हजार से अधिक श्रद्धालुओं द्वारा रजिस्ट्रेशन कराया जा चुका है तथा छह लाख के आसपास श्रद्धालु अब तक चारों धामों की यात्रा कर चुके हैं सबसे अधिक श्रद्धालु 1 लाख 12 हजार के करीब केदारनाथ धाम पहुंचे हैं। केदार धाम जाने का भले ही श्रद्धालुओं में सबसे अधिक उत्साह दिख रहा हो लेकिन केदारधाम की व्यवस्थाएं इन दिनों सबसे अधिक लचर दिखी हैं, जहां पैदल मार्ग पर बर्फ व ग्लेशियर टूटने के कारण श्रद्धालुओं को भारी दिक्कतें उठानी पड़

●की जा रही है मनमानी वसूली
●आगे और भी बढ़ेगीं परेशानियां

रही है वहीं हेली टिकट उनके लिए सबसे बड़ा सर दर्द बनी हुई है। अगर मौसम की खराबी के कारण यात्री तय तारीख पर नहीं पहुंच पा रहे हैं या जिन्होंने एडवांस बुकिंग किसी कारणवश नहीं कराई उनसे 25-25 हजार तक किराया मांगा जा रहा है। हेली सेवाओं पर ही जो यात्री आश्रित है तथा जो शारीरिक रूप से कमजोर है घोड़ा-खच्चर या पैदल यात्रा जिनकी सार्मथ्य से बाहर है ऐसे तमाम लोगों को बिना दर्शन किए ही वापस लौटना पड़ रहा है।

मौसम की विसंगतियों के कारण जो यात्री तय समय पर नहीं पहुंच सके उन्हें भी परेशान किया जा रहा है जबकि यात्रा को प्रशासन द्वारा ही रोका गया था। कई यात्रियों द्वारा इस तरह की शिकायतें की जा रही है कि उनसे मनमाना किराया मांगा जा रहा है जिनके पास पैसे हैं वह तो आसानी से जा पा रहे हैं लेकिन जिनके पास अधिक पैसे नहीं है उन्हें वापस लौटना पड़ रहा है। टिकटों की ब्लैक मेलिंग रोकने के तमाम प्रयासों और दावों के बीच यह भी सच है कि दलालों द्वारा अभी भी हेली टिकटों की ब्लैक मेलिंग की जा रही है। सरकार द्वारा हेली टिकट के लिए जो अधिकृत वेबसाइट काम कर रही है उसकी हालत यह है कि खुलने के साथ ही या तो उसका सरवर डाउन हो जाता है या फिर कुछ समय में बुकिंग फुल हो जाती है ऐसे में धाम जाने की इच्छा रखने वाले

◀◀ शेष पृष्ठ 8 पर

चाचा ने ही की थी भतीजे की हत्या, गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

चमोली। ग्राम सभा बैनोली क्षेत्र तलवाडी में बीती 29 अप्रैल की रात हुई नेपाली नागरिक मन बहादुर की हत्या के आरोपी उसके चाचा कों पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। हत्या की यह वारदात भतीजे द्वारा अत्यधिक शराब पीकर मारपीट किये जाने पर हुई थी।

जानकारी के अनुसार बीती 29 अप्रैल को नेपाली नागरिक मन बहादुर की हत्या हुई थी। जिसमें आरोपी भक्त बहादुर गिरी उर्फ भरत बहादुर फरार चल रहा था। मामले की जांच राजस्व पुलिस की ओर से नियमित पुलिस को स्थानान्तरित हुयी। जिस पर पुलिस अधीक्षक चमोली प्रमेन्द्र डोभाल के आदेश से विवेचना थराली पुलिस के सुपुर्द की गयी। मामले की जांच में जुटी थराली पुलिस ने फरार चल रहे हत्यारोपी भक्त बहादुर गिरी उर्फ भरत पुत्र हस्ते गिरी निवासी जाजरकोट नेपाल को बीती शाम कुराड जाने वाले मार्ग से गिरफ्तार किया गया। जिसने पूछताछ में बताया कि 29 अप्रैल की शाम मन बहादुर जो कि उसका भतीजा लगता था ने अत्याधिक शराब पीकर उसके साथ मारपीट की थी। जिससे नाराज होकर उसने लकड़ी के फट्टे से उसके सिर पर वार किये जिस कारण उसकी मौत हो गयी थी। बताया कि मै नेपाल इसलिए नहीं गया कि मुझे मृतक मन बहादुर के परिवार से खतरा था। बहरहाल पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

कर्नाटक चुनाव में 106 साल की बुजुर्ग महिला ने डाला वोट

नई दिल्ली। कर्नाटक चुनाव में युवाओं के साथ-साथ बुजुर्ग में वोटिंग के प्रति उत्साह देखने को मिला। कर्नाटक चुनाव में 106 साल की बुजुर्ग महिला जानकी बाई अपने मताधिकार का प्रयोग करने पोलिंग बूथ पर पहुंची। बुजुर्ग महिला जानकी बाई ने चन्नागिरी विधानसभा क्षेत्र के पोलिंग बूथ संख्या 254 में अपना वोट डाला। इस दौरान उन्होंने जनता से भी वोट डालने की अपील की। बता दें, जैसे ही 106 वर्षीय जानकी बाई वोट डालने पोलिंग बूथ पर पहुंची तो अधिकारियों ने उनकी वोट डलवाई। इसके बाद कुछ अधिकारी उनके साथ सेल्फी लेते भी हुए नजर आए। वयोवृद्ध जानकी बाई लाठी लेकर अकेली वोट डालने पहुंची थी। उनकी इस तस्वीर को दावणगेरे जिला पंचायत के ट्विटर हैंडल से ट्वीट किया गया है। वहीं, इस तस्वीर के नीचे सोशल मीडिया यूजर्स कमेंट भी कर रहे है। एक यूजर्स ने लिखा, वाह अम्मा दिल जीत लिया। कर्नाटक चुनाव में बुजुर्ग महिलाओं और विकलांगों में खासा उत्साह देखने को मिली है और कई तस्वीरें भी सामने आई है।

पहलवानों की याचिका पर कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से मांगी स्टेटस रिपोर्ट, 12 मई को अगली सुनवाई

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह की मुश्किलें बढ़ती हुई नजर आ रही हैं। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से इस मामले की स्टेटस रिपोर्ट मांगी है। दरअसल पहलवानों ने बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन शोषण का आरोप लगाया है। पहलवानों की इसी शिकायत पर कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से इस मामले में स्टेटस रिपोर्ट मांगी है। पहलवानों ने बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ कोर्ट का रुख किया था, जिसपर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने पुलिस से स्टेटस रिपोर्ट मांगी है। कोर्ट इस मामले की सुनवाई 12 मई को करेगी।

दिल्ली जंतर मंतर पर धरना दे रहे

भारतीय पहलवानों ने राउज एवेन्यू कोर्ट में याचिका दायर कर अदालत से दिल्ली पुलिस को 164 सीआरपीसी के तहत पीड़ितों का तहत बयान दर्ज करने के लिए निर्देश देने की मांग की थी। इसके अलावा, पहलवानों ने अपनी अर्जी में दिल्ली पुलिस को अब तक की जांच की स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने के लिए निर्देश देने की भी मांग की थी। इस मसले पर बुधवार को सुनवाई के बाद राउज एवेन्यू कोर्ट ने महिला पहलवानों की याचिका पर दिल्ली पुलिस से इस मामले में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने को कहा है। इससे पहले 10 मई को इस मसले पर हुई सुनवाई के दौरान कोर्ट में पहलवानों के वकील ने कहा कि इस मामले में अभी तक दो एफआईआर दर्ज हुई हैं। एक पॉस्को के तहत दर्ज हुई है और दूसरी अन्य धाराओं में दर्ज हुई है। इसके बावजूद दिल्ली पुलिस ने अभी तक कोई एक्शन नहीं लिया है। दिल्ली पुलिस के एक्शन न लेने के बाद हमने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर दिल्ली पुलिस ने 28 अप्रैल को एफआईआरदर्ज की।

दून वैली मेल

संपादकीय

संघर्ष का पर्याय सुशीला बलूनी

उत्तराखंड राज्य आंदोलन प्रणेयता और भाजपा की वरिष्ठ महिला नेत्री सुशीला बलूनी अब हमारे बीच नहीं रही निसंदेह यह समाचार उत्तराखंड वासियों के लिए अत्यंत ही दुखद और पीड़ादायक है। क्योंकि उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारियों में उनका नाम सबसे अग्रिम पंक्ति की आंदोलनकारियों में गिना जाता है। वह स्वयं इस आंदोलन की हिस्सा ही नहीं रही बल्कि अलग राज्य के लिए लड़ी जाने वाली इस लड़ाई में प्रदेश की महिलाओं को आगे लाने में उनकी अहम भूमिका रही। जिसकी वजह से राज्य के लोग इस आंदोलन को मुकाम तक पहुंचाने में कामयाब हो सके। राज्य आंदोलन में जिस मातृशक्ति की अग्रणीय भूमिका की बात की जाती है उसकी मुख्य आधार स्तंभ सुशीला बलूनी ही थी। एक महिला होने के साथ-साथ वह न सिर्फ अपनी पारिवारिक तमाम जिम्मेदारियों को निभाती रही अपितु राज्य आंदोलन के अलावा अन्य तमाम क्षेत्रों में निरंतर अपनी सक्रियता बनाए रखने में सफल रही जो किसी भी महिला के लिए आसान काम नहीं हो सकता। उत्तरकाशी के बड़कोट में जन्मी सुशीला बलूनी अधिवक्ता होने के साथ-साथ नेता और समाजसेवी के रूप में अपने पूरे जीवन में सक्रिय रही आंदोलन के दौरान अपने आक्रमक तेवरों के कारण उन्हें कई बार पुलिस की लाठियां भी खानी पड़ी और जेल भी गई। देहरादून कलेक्टर पर बेमियादी अनशन पर बैठने वाली वह राज्य की पहली महिला थी। उनका राजनीतिक जीवन अत्यंत संघर्षपूर्ण रहा। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत जनता दल से की और लंबे समय तक उत्तराखंड क्रांति दल से भी जुड़ी रही। 1996 में वह निर्दलीय और 2002 में यूकेडी के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ी लेकिन सफल नहीं हो सकी। 1989 में वह नगर पालिका की सदस्य रही तथा 2003 में देहरादून नगर पालिका की महापौर का भी चुनाव लड़ा। यह अलग बात है कि वह कभी चुनाव नहीं जीत सकी। पूर्व सीएम भुवन चंद्र खंडूरी के नेतृत्व में उन्होंने भाजपा की सदस्यता ली और उत्तराखंड आंदोलनकारी सम्मान परिषद तथा उत्तराखंड राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष भी रही। 84 वर्षीय सुशीला बलूनी का जीवन निरंतर संघर्ष और सक्रियता के दृष्टिकोण से महिलाओं के लिए सदैव प्रेरणा का रूप में देखा जाता रहेगा। उनके इस संघर्ष के साथी रहे सुबह के नेता और कार्यकर्ता आज उनके निधन से दुखी हैं तो वह उनकी बेबाकी और संघर्षशीलता के कारण ही है वह एक सहृदय व्यक्तित्व की धनी थी उन्होंने राज्य के लोगों को खासकर महिलाओं को अपने हक के लिए लड़ने का तरीका सिखाया। भले ही सुशीला बलूनी अब हमारे बीच नहीं हैं लेकिन उनके जीवन से मिलने वाली प्रेरणा प्रदेश वासियों के साथ सदैव रहेगी।।

विभिन्न संगठनों ने सुशीला बलूनी को पुष्पांजलि अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

संवाददाता

देहरादून। वरिष्ठ आंदोलनकारी व महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष सुशीला बलूनी का पार्थिव शरीर जैसे ही शहीद स्मारक पहुंचा वहां पर लोगों का तांता लग गया। वहां पर विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने पहुंच उनको पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

आज यहां जैसे ही वरिष्ठ आंदोलनकारी व महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष सुशीला बलूनी का पार्थिव शरीर शहीद स्मारक पहुंचा वहां पर लोगों का हजूम एकत्रित हो गया। सभी उनको श्रद्धांजलि देने के लिए वहां पर पहुंचे। विभिन्न संगठनों ने शहीद स्मारक पर महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष सुशीला बलूनी के पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भी अपने श्रद्धासुमन अर्पित किये। इनमें अखिल भारतीय समानता मंच के विनोद नौटियाल, बैंक इंप्लाइज एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष जगमोहन मेहंदीरत्ता, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी कल्याण समिति के मुकेश शर्मा, सिख वेलफेयर सोसाइटी के जीएस जस्सल, संयुक्त नागरिक संगठन के सुशील त्यागी, गवर्नमेंट पेंशनर्स संगठन के चौधरी ओमवीर सिंह, क्षत्रिय चेतना मंच के महासचिव रवि सिंह नेगी आदि शामिल थे।

उत्तराखण्ड आंदोलनकारी संयुक्त परिषद ने शहीद स्मारक में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन कर वहां पर वरिष्ठ आंदोलनकारी सुशीला बलूनी को श्रद्धांजलि दी गयी। आज यहां उत्तराखंड आंदोलनकारी संयुक्त परिषद के कार्यकर्ताओं ने एक श्रद्धांजलि सभा प्रात: साढे ग्यारह बजे शहीद स्मारक कचहरी परिसर में की गई। जिसमें राज्य आंदोलनकारियों की अग्रणी रही श्रीमती सुशीला बलूनी के निधन पर गहरा शोक प्रकट किया गया स्मरण रहे कि राज्य प्राप्ति आंदोलन में श्रीमती सुशीला बलूनी ने सबसे पहले भूख हड़ताल पर बैठकर बढ़-चढ़कर अपनी भागीदारी निभाई व अन्य महिलाओं को एकत्रित कर आंदोलन को मजबूती प्रदान की। जिससे उनके योगदान को प्रदेश की जनता कभी नहीं भुला सकती वे सदैव राज्य आंदोलनकारियों के हितों की सोचती थी अब हम आंदोलनकारियों को भी मार्गदर्शन के लिए भटकना पड़ेगा। ऐसा हम आंदोलनकारियों को महसूस हो रहा है।

श्रद्धांजलि देने वालों में उत्तराखंड आंदोलनकारी संयुक्त परिषद के संरक्षक नवनीत गुसाईं व जिला अध्यक्ष सुरेश कुमार, व विपुल नौटियाल, प्रभात डंडरियाल, धर्मानंद भट्ट, वालेस बवानिया, रामपाल, प्रमिला रावत, प्रभा नैथानी, सत्या डोबरियाल, रेखा शर्मा, अनुराग भट्ट आदि उपस्थित रहे।

वही दूसरी ओर नेताजी संघर्ष समिति ने वरिष्ठ आंदोलनकारी श्रीमती सुशीला बलूनी की मृत्यु पर गहरा शोक प्रकट किया। नेताजी संघर्ष समिति के कार्यकर्ता व राज्य आंदोलनकारी प्रभात डंडरियाल और आरिफ वारसी ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए वरिष्ठ राज्य आंदोलनकारी श्रीमती सुशीला बलोनी के निधन पर गहरा शोक प्रकट किया है। वारसी व डंडरियाल ने कहा कि बलोनी जी ने राज्य प्राप्त आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाई थी उनकी भूमिका को नकारा नहीं जा सकता वह राज्य के आंदोलन के प्रति सजग रहती थी समिति ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

विधायक किशोर उपाध्याय ने सुशीला बलूनी की मृत्यु पर शोक जताया

टिहरी। विधायक किशोर उपाध्याय ने कहा कि अदम्य साहस और उत्तराखंड राज्य आंदोलन की त्वरा की धुरी हम सबकी गौरव, मार्ग दर्शक सुशीला बलूनी के निधन के समाचार से मैं स्तब्ध हूँ।

उन्होंने कहा राज्य आंदोलन में और उसके उपरान्त संघर्ष की जिजीविषा का एक सूर्य अस्त हो गया, लेकिन उनकी पुण्य आत्मा राज्य आंदोलन की भावना की रक्षा के लिये प्रकाश स्तम्भ की मानिंद हमारा मार्ग दर्शन करती रहेगी। उत्तराखंड की वरिष्ठ राज्य आंदोलनकारी व राज्य महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष सुशीला बलूनी के निधन की खबर अत्यंत ही दु:खद है। ईश्वर उनकी दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें एवं परिजनों को इस दुख को सहने की शक्ति दे।

प्रथम विधायक जयेन्द्र सिंह बिष्ट को पुण्यतिथि पर किया याद

उत्तरकाशी (सं)। उत्तरकाशी के प्रथम विधायक जयेन्द्र सिंह बिष्ट की उनकी 65वी पुण्यतिथि पर उनको याद किया गया।

आज यहां लोकेन्द्र सिंह बिष्ट ने बताया कि आजादी के बाद देश ओर प्रदेश के 1952 के प्रथम आम चुनाव में उनके ताऊजी जयेन्द्र सिंह बिष्ट उत्तरकाशी से विधायक चुने गए। 1957 के दूसरे विधानसभा चुनाव में जयेन्द्र सिंह बिष्ट दूसरी बार उत्तरकाशी विधानसभा से निर्विरोध विधायक चुने गए। ताऊजी जयेंद्र सिंह बिष्ट को नमन,,,हम सब के जननायक स्व. जयेंद्र सिंह बिष्ट की आज 10 मई को 65 वीं पुण्य तिथि है। आज ही के दिन 10 मई 1958 को इनका आकस्मिक निधन लखनऊ में हुआ।

तस्मिन्हि सन्त्यूतयो विश्वा अभीरवः सचा।
तमा वहन्तु सप्तयः पुरूवसुं मदाय हरयः सुतम्।

(ऋग्वेद ८-४६-७)

परमेश्वर में रक्षण के सभी साधन निहित हैं। इसलिए हमें निडर रहना चाहिए। हमारी इंद्रियां अंतर्मुखी प्रवृत्ति की हो। हमें अपने अंदर जो परमेश्वर की विद्यमानता है उसे पहचानना चाहिए।

All means of protection are vested in the Supreme Lord. That's why we should be fearless. Our senses should have an introverted tendency. We must recognise the presence of God within us. (Rig Ved 8-46-7)

समझौते का सार-विनिमय होगी तकनीकी और नवाचार

कार्यालय संवाददाता

नरेन्द्रनगर। संसाधनों, कौशल, तकनीकी एवं नवाचार विनिमय के लिए आज धर्मानंद उनियाल राजकीय महाविद्यालय नरेंद्र नगर एवं राजकीय पॉलिटेक्निक नरेंद्र नगर के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

धर्मानंद उनियाल राजकीय महाविद्यालय नरेंद्र नगर की ओर से महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर राजेश कुमार उभान और राजकीय पॉलिटेक्निक नरेंद्र नगर की ओर से इंजीनियर आलोक मिश्रा प्राचार्य पॉलिटेक्निक ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

दोनों संस्थाओं के प्राचार्यो ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करते हुए हर्ष व्यक्त किया है। उन्होंने बताया कि संस्थानों के मध्य इस तरह के समझौतों से अकादमिक,तकनीकी तथा नवाचार के विनिमय से ज्ञान के क्षेत्र में नए रास्ते खुलेंगे तथा भिन्न-भिन्न विधाओं से ज्ञान अर्जन करने वाले छात्रों को पारस्परिक ज्ञान विनिमय के अवसर मिलेंगे।

समझौता ज्ञापन के विभिन्न पहलुओं पर रूपरेखा तैयार करने में महाविद्यालय की ओर से वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉक्टर शैलजा रावत ने प्राचार्य प्रोफेसर उभान के साथ महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। राजकीय पॉलिटेक्निक नरेंद्र नगर में हुए इस एमओयू साइन कार्यक्रम में राजकीय पॉलिटेक्निक के व्याख्याता एवं कर्मचारी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

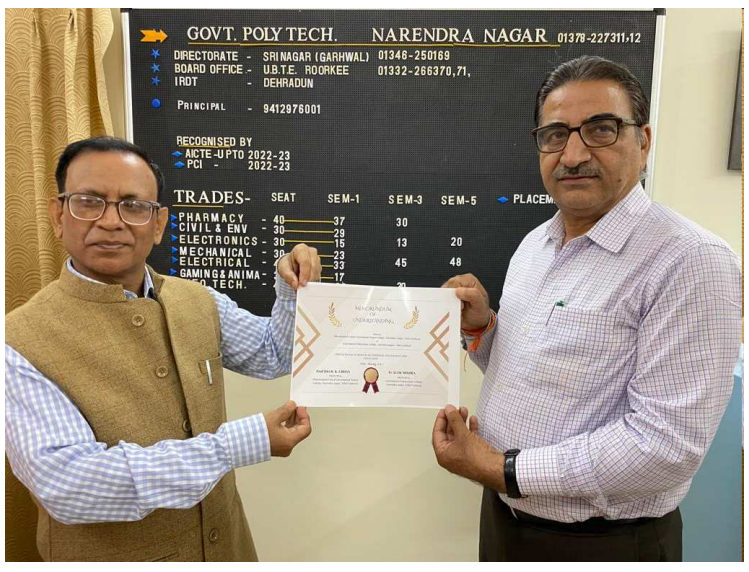

'तेरे इश्क में घायल' का वीएफएक्स इसकी यूएसपी है: शिल्पा अग्निहोत्री

आखिरी बार 'विश या अमृत: सितारा' शो में नजर आ चुकीं एक्ट्रेस शिल्पा अग्निहोत्री 'तेरे इश्क में घायल' शो के साथ टीवी पर वापसी कर रही हैं। शो में वह समीर (निखिल आर्य) की पत्नी सुधा की भूमिका निभा रही है।

एक्ट्रेस ने शो में अपने करेक्टर के बारे में बात की। ।

'तेरे इश्क में घायल' का टाइटल मुझे ऐसे प्यार के बारे में सोचने पर मजबूर करता है, जो बहुत गहरा है। मुझे लगता है कि शो का वीएफएक्स इसकी यूएसपी है। किरदारों को अच्छी तरह से उकेरा गया है और एक दूसरे के साथ सही तालमेल बिठाया गया है। साथ ही जिस तरह से इसे खूबसूरती से शूट किया जा रहा है, वह पूरे कॉन्सेप्ट और प्रेजेंटेशन को लाजवाब, स्टाइलिश बनाता है।

शिल्पा का कहना है कि शुरूआत में उन्हें अपने किरदार के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। मुझे लगता है कि समय के साथ, मुझे और भी बहुत कुछ पता चल जाएगा। हमने अभी शुरूआत की है और आगे का रास्ता लंबा है।

वह सेट पर अपने पहला दिन को याद करती हुई कहती हैं: जब आप पोस्टर देखते हैं तो आपको केवल उन तीन शानदार अभिनेताओं के बारे में पता चलता है जो शो में लीड रोल में हैं। लेकिन जब मैं सेट पर पहुंची तो मुझे बाकी शानदार कलाकारों के बारे में पता चला। और, मुझे उनके साथ काम करके बहुत खुशी हुई।

कोई भी शो, जिसमें वीएफएक्स शामिल है, उसमें यह सबसे आगे खड़ा है। यहां सब कुछ बहुत बड़े पैमाने पर किया जा रहा है।

वह आगे कहती हैं कि थ्रिलर और मिस्ट्री शो का चलन हमेशा बना रहेगा और लोग इसे देखना पसंद कर रहे हैं।

एक्ट्रेस ने कहा, इन शैलियों के एक अलग दर्शक है, जो हमेशा इस तरह के शो को देखना पसंद करते है। मेरे पति (एक्टर अपूर्वा अग्निहोत्री) भी इस तरह के शो के फैन हैं। वह इन शैलियों से संबंधित बहुत सारे इंटरनेशनल शो देखते हैं। इस तरह के शोज का अपना एक अलग ही चार्म होता है और अंत तक दिलचस्पी बनाए रखते हैं।

एक्ट्रेस कहती हैं: अपूर्वा और मैं हर दिन सेलिब्रेट करते हैं और भगवान का शुक्रिया अदा करते हैं, कि उन्होंने हम दोनों को मिलाया। हम हर उस सांस के लिए भी धन्यवाद कहते हैं जो हम लेते हैं। जीवन हमारे लिए हर दिन एक उत्सव है।

2023 में छाई आलिया भट्ट की गंगूबाई काठियावाड़ी'

68वें फिल्मफेयर अवॉर्ड्स में राजकुमार राव को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता और आलिया भट्ट को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार दिया गया है। 68वें फिल्मफेयर अवॉर्ड्स में राजकुमार राव को बधाई दो के लिये सर्वश्रेष्ठ अभिनेता जबकि आलिया भट्ट को फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी के लिये सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार दिया गया। सलमान खान ने फिल्म फेयर अवार्ड शो को आयुष्मान खुराना और मनीष पॉल के साथ होस्ट किया। इस बार फिल्मफेयर अवॉर्ड में गंगूबाई काठियावाड़ी' और बधाई दो' का बोलबाला रहा। सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार संजय लीला भंसाली को फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी के लिये दिया गया। अनिल कपूर को जुगजुग जियो के लिये सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता और बेस्ट एक्टर सपोर्टिंग रोल (फीमेल), शीबा चड्ढा को (बधाई दो) के लिये मिला।

जब महेश भट्ट ने मौसमी की प्रेग्नेंसी को लेकर कही थी यह बात!

बॉलीवुड एक्ट्रेस मौसमी चटर्जी की गिनती बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्रियों की लिस्ट में होती है। अपने फिल्मी करियर के दौरान एक्ट्रेस ने कई सुपरहिट फिल्मों में काम किया है। मौसमी अपनी बेहतरीन एक्टिंग, खूबसूरती और बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती हैं। एक्ट्रेस ने एक बार अवॉर्ड शो के दौरान फिल्म मेकर महेश भट्ट की बोलती बंद कर दी थी।

इस बात का खुलासा एक्ट्रेस ने हाल ही में एक मीडिया संस्थान को दिए गए इंटरव्यू में किया है। मौसमी ने कहा कि एक बार महेश भट्ट ने उनसे कहा था कि जब तुम्हारा करियर आगे बढ़ रहा होता है,तब तुम प्रेग्नेंट हो जाती हो, जो तुम्हारे करियर में रुकावट बनती है। इस पर एक्ट्रेस ने उन्हें मुहंतोड़ जवाब दिया था।

मौसमी ने महेश भट्ट के इस कमेंट पर कहा था कि ये सब मेरी जिंदगी में रंग भर रहे हैं, बाधा नहीं हैं। इंटरव्यू के दौरान एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने प्रेग्नेंसी को लेकर भी कोई प्रेशर महसूस नहीं किया। उन्हें ऐसा कभी नहीं लगा कि उनका करियर खत्म हो जाएगा।

उन्होंने आगे कहा कि मेरे लिए स्टार वैल्यू या स्टारडम इतना मायने नहीं रखता था। उन्होंने इस बात का भी खुलासा किया कि, जब अभिनेत्री रोटी कपड़ा और मकान के दौरान प्रेग्नेंट हो गई थीं। तब मनोज कुमार उनसे नाराज हो गए थे।

वर्कफ्रंट की बात करें तो मौसमी चटर्जी ने अनुराग', रोटी कपड़ा और मकान', मंजिल', अंगूर', घर एक मंदिर', पीकू' जैसी कई फिल्मों में दमदार एक्टिंग की थी।

दीपिका पादुकोण और कैटरीना कैफ करेंगी जासूसी

दीपिका पादुकोण और कैटरीना कैफ दोनों ही बॉलीवुड की बड़ी अभिनेत्रियों में शुमार हैं। आपने अब तक इन दोनों हीरोइनों को कई फिल्मों में देखा होगा, लेकिन कभी किसी फिल्म में साथ नहीं देखा होगा। अब अगर आप उन दर्शकों में शामिल हैं, जो इन दोनों हसीनाओं को साथ देखने की हसरत रखते हैं तो आपकी यह मुराद अब जल्द ही पूरी होने वाली है। दरअसल, दोनों यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स की अगली फिल्म में नजर आ सकती हैं।

पठान और वॉर के स्क्रीनप्ले राइटर श्रीधर राघवन ने कहा, आदित्य चोपड़ा के स्पाई यूनिवर्स की किसी फिल्म में दीपिका और कैटरीना को साथ दिखाया जा सकता है। जल्द ही इस पर काम शुरू होगा। बॉलीवुड में स्पाई यूनिवर्स में महिला आधारित फिल्में बहुत कम बनी हैं। इस पर राघवन बोले, हां, ऐसी फिल्में कम हैं, लेकिन अब हम इस कमी को भरने वाले हैं। महिला आधारित जासूसी फिल्म बनाने की तैयारी जोरों पर है।

पठान में शाहरुख खान और सलमान खान को साथ देख दर्शकों ने खूब सीटियां बजाईं। अब कैटरीना और दीपिका के मामले में यशराज फिल्म्स यह प्रयोग करने वाला है। पठान में दीपिका ने रुबिना मोहसिन नाम की एक एजेंट का किरदार निभाया, वहीं टाइगर सीरीज में कैटरीना ने जोया के रूप में एजेंट की दमदार भूमिका निभाई। इन फिल्मों में दोनों का धांसू एक्शन अवतार देखने को मिला। अब ये दोनों अभिनेत्रियां एकसाथ पर्दे पर जासूसी करती दिखने वाली हैं।

दीपिका-कैटरीना में एक चीज कॉमन रही है और वो हैं रणबीर कपूर। दरअसल, ये दोनों ही अभिनेत्रियां रणबीर को डेट कर चुकी हैं। खबरें तो ये भी आईं कि असल में इनकी बनती नहीं है। खैर, जो भी हो, अब उन्हें साथ देखना दिलचस्प होगा।

एक तरफ जहां बॉक्स ऑफिस पर सेल्फी से लेकर शहजादा बुरी तरह फ्लॉप साबित हुई हैं, वहीं पठान अब भी कमाई कर रही है। इसने बॉक्स ऑफिस पर कमाई का वो पहाड़ बनाया है, जिसकी चोटी को देखने के लिए हर किसी को सिर ऊंचा उठाना होगा। बॉक्स ऑफिस इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, पठान ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर जहां लगभग 526 करोड़ रुपये बटोरे हैं, वहीं दुनियाभर में यह करीब 1,022 करोड़ रुपये की कमाई कर चुकी है।

दीपिका सुपरस्टार प्रभास के साथ फिल्म प्रोजेक्ट के को लेकर चर्चा में हैं। यह उनके करियर की पहली तेलुगु फिल्म है। फिल्म फाइटर भी दीपिका के खाते से जुड़ी है, जिसमें उनकी जोड़ी ऋतिक रोशन के साथ बनी है। इसके अलावा वह फिल्म जवान में कैमियो करने वाली हैं। दूसरी तरफ कैटरीना जल्द ही सलमान खान के साथ फिल्म टाइगर 3 में नजर आएंगी। इसके अलावा वह विजय सेतुपति के साथ फिल्म मैरी क्रिसमस में काम कर रही हैं।

फाइटर के क्लाइमैक्स के लिए 120 घंटे की शूटिंग करेंगे ऋतिक रोशन

बॉलीवुड के माचो हीरो ऋतिक रोशन अपनी आने वाली फिल्म फाइटर के क्लाइमैक्स के लिए 120 घंटे की शूटिंग करेंगे।

सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बन रही फिल्म फाइटर में ऋतिक रौशन, दीपिका पादुकोण और अनिल कपूर की मुख्य भूमिका है। चर्चा है कि फिल्म फाइटर का क्लाइमैक्स करीब 120 घंटे तक शूट किया जाएगा। कहा जा रहा है कि फिल्म फाइटर में क्लाइमैक्स सीन करीब 25 मिनट का होगा और इसके लिए मेकर्स ने हाई लेवल की प्लानिंग कर रखी है। फाइटर को भारत में पहली एरियल एक्शन फ्रैंचाइजी माना जा रहा है।

फाइटर का क्लाइमैक्स फिल्म का सबसे बड़ा आकर्षण होने वाला है। इसी को देखते हुए सिद्धार्थ और उनकी एक्शन टीम ने एक लार्जर दैन लाइफ शूटिंग की योजना बनाई है।

फिलहाल फिल्म की शूटिंग मुंबई में चल रही है और अगले दो महीनों में इसकी फोटोग्राफी पूरी कर ली जाएगी। फिर वीएफएक्स प्रोसेस शुरू होगी। निर्माताओं ने वीएफएक्स के लिए ऑस्कर विजेता टीम डीएनईजी को रखा है। फिल्म अगले साल गणतंत्र दिवस पर रिलीज होगी।

होमी के साथ विश्वास की भावना है जो हमेशा बनी रहती है - डिंपल कपाड़िया

अनुभवी एक्ट्रेस डिंपल कपाड़िया ने निर्देशक होमी अदजानिया के साथ 'सास, बहू और फ्लेमिंगो' में काम करने का अपना अनुभव साझा किया।

डिंपल ने कहा, होमी के साथ एक विश्वास की भावना है जो हमेशा बनी रहती है और 'सास, बहू और फ्लेमिंगो' के साथ कहानी अपने आप में अनूठी और लीक से हटकर थी। मुझे पहले विश्वास नहीं हुआ, कि यह वह किरदार है जिसे उन्होंने मेरे लिए लिखा था।

वह एक महिला सावित्री की भूमिका निभा रही हैं, जो एक कंपनी चलाती है, जिसका इस्तेमाल वह ड्रग बिजनेस को छिपाने के लिए करती है। वह परिवार की सबसे महत्वपूर्ण महिला है, जिसमें उसकी दो बहुओं और एक बेटी सहित चार महिलाएं हैं।

डिंपल ने कहा कि उन्होंने पहले कभी इस तरह का किरदार नहीं निभाया है: एक कार्टेल का नेतृत्व करने वाली क्वीनपिन की भूमिका कुछ ऐसी थी जो मैंने पहले कभी नहीं की थी, और मैं इस जटिल भूमिका को पर्दे पर जीवंत करने की चुनौती से उत्साहित थी।

निर्देशक के बारे में बोलते हुए, 'बॉबी' एक्ट्रेस ने कहा: होमी उन सबसे सनकी निर्देशकों में से एक हैं, जिनके साथ मैंने काम किया है और वह इस सनकीपन को पात्रों और पटकथा में लाते हैं। उन्हें इस बात का स्पष्ट अंदाजा था कि वह किरदार से क्या चाहते हैं और वह कहानी को कैसे बताना चाहते है। मैं प्रोजेक्ट के प्रति उनके जुनून से प्रभावित हूं।

कुल मिलाकर, यह किरदार, कहानी और होमी के साथ काम करने के अवसर का संयोजन था जिसने मुझे शो के लिए हां कहा।

मैडॉक फिल्म्स द्वारा निर्मित, सीरीज का निर्देशन होमी अदजानिया द्वारा किया गया है।

पहली बार करने जा रही हैं मेकअप, इन टिप्स को करें फॉलो

मेकअप करना एक कला है। यह आपके लुक बदलने में मदद कर सकती है, लेकिन इसके लिए आपको कुछ नियमों का पालन करना होगा। इसके लिए मुख्य रूप से आपको अपनी त्वचा की टोन और प्रकार से मेल खाने वाले मेकअप उत्पादों का ही उपयोग करना होगा। आइए आज हम आपको 5 ऐसे मेकअप टिप्स देते हैं, जिन्हें अपनाकर शुरुआती लोगों के लिए मेकअप करना और भी आसान हो सकता है।

सीटीएम प्रक्रिया का करें पालन

मेकअप करने से पहले सीटीएम (क्लींजिंग, टोनिंग, मॉइस्चराइजिंग) प्रक्रिया का ढंग से पालन करना बहुत महत्वपूर्ण है। क्लींजिंग: अपने चेहरे को त्वचा के प्रकार के हिसाब से फेस क्लींजर का इस्तेमाल करके साफ करें। टोनिंग: क्लींजिंग के बाद त्वचा के पीएच स्तर को संतुलित रखने वाले टोनर का इस्तेमाल करें क्योंकि इससे आपकी त्वचा हाइड्रेट रहेगी। मॉइस्चराइजिंग: त्वचा को मॉइस्चराइज करने के लिए सीरम या प्राइमर का इस्तेमाल करें। आप चाहें तो इन 5 तरीकों से प्राइमर बना सकते हैं।

कलर करेक्टर आएगा काम

कलर करेक्टर चेहरे के दाग-धब्बों को छिपाने के लिए सबसे अच्छा मेकअप उत्पाद है। दागों को छिपाने के लिए नारंगी रंग का कलर करेक्टर इस्तेमाल करें। आप भूरे रंग के धब्बों को छिपाने के लिए नारंगी शेड की लिपस्टिक का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। अगर मुंहासे ताजा हैं तो हरे रंग का कलर करेक्टर इस्तेमाल किया जा सकता है। ऐसा करने से आपका मेकअल शानदार होगा और आपका लुक भी उभरकर सामने आएगा।

कंसीलर है जरूरी

कलर करेक्टर के बाद कंसीलर के सही शेड का इस्तेमाल करना भी बेहद जरूरी होता है। इसके लिए स्टिक या ड्राई क्रीम कंसीलर का उपयोग करें क्योंकि ये दाग-धब्बों के आसपास तैलीय पदार्थ का रिसाव रोक सकते हैं। आप अतिरिक्त लाभ के लिए एसपीएफ़ 2० वाला कंसीलर भी चुन सकती हैं। हमेशा हल्के हाथों से कंसीलर को दाग-धब्बों पर लगाएं। कंसीलर लगाने के बाद जब आप हल्के फाउंडेशन का उपयोग करेंगी तो आपकी त्वचा और भी खूबसूरत नजर आएगी।

सेटिंग स्प्रे से सेट करें मेकअप बेस

एसपीएफ़ वाला मेकअप सेटिंग स्प्रे आपके मेकअप को बरकरार रखेगा और धूप से सुरक्षित रखने के लिए, त्वचा पर एक अतिरिक्त परत भी बनाएगा। इसलिए फाउंडेशन को ब्लेंड करने के बाद चेहरे पर थोड़ी दूरी से मेकअप सेटिंग स्प्रे का इस्तेमाल करें या मेकअप लगाने के बाद इसका पूरे चेहरे और गर्दन पर छिड़काव करें। आप इन तरीकों को अपनाकर घर पर भी आसानी से मेकअप सेटिंग स्प्रे बना सकते हैं।

आंखों का मेकअप कम से कम करें

इसके लिए सबसे पहले अपने प्राकृतिक त्वचा के रंग से मिलता-जुलता आईशैडो शेड चुनें। उसके बाद इसे अपनी आंखों पर लगाकर अच्छी तरह से मेकअप ब्रश से ब्लेंड करें। आंखों के बाहरी कोने पर न्यूड ब्राउन शेड लगाएं। इसके बाद अपनी आंखों पर भूरे रंग का काजल लगाकर इसे पेंसिल ब्रश से स्मज करें। अंत में ऊपर की आईलिड पर जेल आईलाइनर और मस्कारा लगाएं। इससे आपकी आंखें अच्छी तरह उभरेंगी।

पाउडर बेस्ड ब्लश और सॉफ्ट मैट लिपस्टिक चुनें

चेहरे पर क्रीम बेस्ड ब्लश लगाने की जगह पाउडर ब्लश चुनें। इसके लिए गुलाबी और आड़ू जैसे रंगों वाले ब्लश का इस्तेमाल करें। इसके अतिरिक्त गुलाबी, हल्के भूरे या न्यूड रंग की सॉफ्ट मैट लिपस्टिक का इस्तेमाल करें, जो मैट लुक दे। लिपस्टिक लगाने से 15-2० मिनट पहले होंठो पर लिप बाम लगाएं। इससे होंठ हमेशा मॉइस्चराइज रहेंगे। आपको लिपस्टिक खरीदते समय कई बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन या लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

बेहतर पाचन के लिए जरूरी है सही तरीके से पानी पीना

पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से भोजन को पचाने और पोषक तत्वों के अवशोषण में सहायता मिलती है, जिससे बेहतर पाचन की सुविधा मिलती है। शरीर के हाइड्रेट रखने के लिए भी पानी पीना जरूरी है। वहीं, पानी के बिना कब्ज से लेकर पेट फूलने तक कई तरह की पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। जबकि हाइड्रेशन पाचन के लिए महत्वपूर्ण है, गलत तरीके से पानी पीने से पेट की स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ सकती हैं। सही मात्रा में भोजन के साथ पानी पीने से पाचन में मदद मिल सकती है, लेकिन भोजन के साथ अधिक मात्रा में सेवन करने से समस्या हो सकती है।

पानी के अलावा, रसीले फल, सब्जियां, दही, छाछ, जूस जैसे कई प्रकार के हाइड्रेटिंग खाद्य पदार्थ हैं जो निर्जलीकरण (स्रद्दद्ध4स्रद्गह्वह्लद्बशठ्ठ) को रोकने में मदद कर सकते हैं। अच्छे स्वास्थ्य और सेहत को बनाए रखने के लिए हाइड्रेशन महत्वपूर्ण है। यह शरीर के तापमान को नियंत्रित करने, जोड़ों को चिकनाई देने, पोषक तत्वों के परिवहन और शरीर से अपशिष्ट को हटाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके अतिरिक्त, पर्याप्त पानी पीने से स्वस्थ पाचन में मदद मिल सकती है।

पाचन वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा आपका शरीर भोजन को उसके घटक भागों में तोड़ता है, जिसे बाद में शरीर द्वारा अवशोषित और उपयोग किया जा सकता है। जब आप खाते हैं, तो आपका शरीर पाचन एंजाइमों और अन्य तरल पदार्थों को गुप्त करता है जो भोजन को पचाने और पाचन तंत्र के माध्यम से इसे स्थानांतरित करने में मदद करते हैं। हालांकि, यदि आप ठीक से हाइड्रेटेड नहीं हैं, तो आपका शरीर भोजन को प्रभावी ढंग से पचाने के लिए पर्याप्त पाचन तरल पदार्थ का उत्पादन नहीं कर पाता है। इससे कब्ज, सूजन और पेट दर्द सहित पाचन संबंधी कई समस्याएं हो सकती हैं।

तरबूज, स्ट्रॉबेरी, संतरा, और अंगूर जैसे पानी से भरपूर फलों का सेवन न केवल स्वादिष्ट होता है, बल्कि पानी, विटामिन और फाइबर से भी भरपूर होता है, इन्हें अपने आहार में शामिल करने से आपको नियमितता को बढ़ावा देने और स्वस्थ रहने के साथ-साथ हाइड्रेटेड रहने में मदद मिल सकती है। इसलिए, यदि आप स्वस्थ पाचन में सहायता करना चाहते हैं, तो पानी पीने को लेकर इन 3 बातों का खास ख्याल रखें।

पानी को चबाएं नहीं

आपका शरीर एक समय में सीमित मात्रा में ही पानी को प्रोसेस कर सकता है। इसलिए, यदि आप एक साथ ढेर सारा पानी पी रहे हैं, तो आपका शरीर भी पानी को अवशोषित नहीं कर पाएगा।

भोजन के साथ ज्यादा पानी न पियें

भोजन के दौरान ढेर सारा पानी पीने से आपके पेट का एसिड पतला हो सकता है जो पाचन के लिए बहुत जरूरी है। इसलिए, खाने से 3० मिनट पहले और 3० मिनट बाद तक पानी को सीमित मात्रा में पीने की कोशिश करें।

पानी में समुद्री नमक मिलाएं

समुद्री नमक में इलेक्ट्रोलाइट्स सहित दर्जनों खनिज होते हैं जो आपको पीने वाले पानी को बेहतर ढंग से अवशोषित करने और उसका उपयोग करने में मदद करते हैं। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -010

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे

1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुप्तबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नज़दीक, समीप 21. सुबह, प्रात:, सबेरा।

1		2	■	■	■	3		
	■		■	4	5		■	■
6	7		8	■		■	■	9
■	10			■	11	12	13	
■	14		■	15				
16		■	■		■	■		■
17			18		■	19		■
	■	■		■	20	■	■	21
22				■	23			

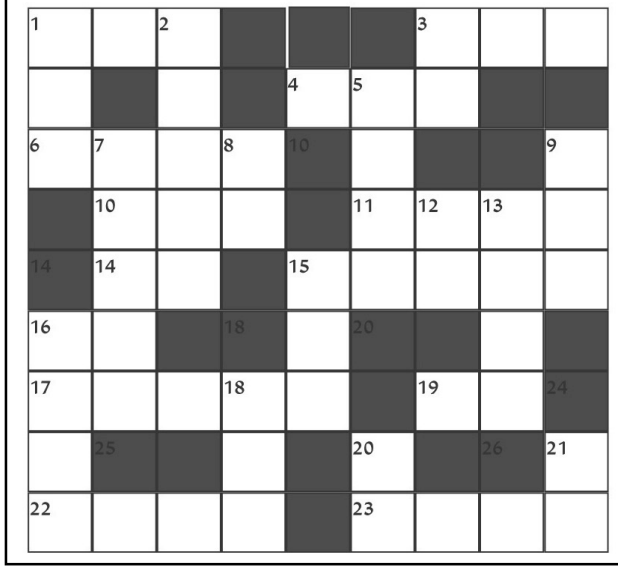

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 09 का हल

अ	भि	षे	क	■	प	स	■	■
जा	त	■	थ	प	थ	पा	ना	■
य	र	का	नी	■	भ्र	■	र	श्मि
ब	घा	र	■	क	ष्ट	प्र	द	■
■	त	ना	त	नी	■	र्व	■	ब
अ	■	मा	■	ज	मा	त	■	ल
स	जा	■	■	■	■	क	ज	रा
बा	■	बे	स	हा	रा	■	ग	म
ब	गु	ला	■	रा	ज	दू	त	■

उत्तराखण्ड शासन | G20 भारत 2023 INDIA | आज़ादी का अमृत महोत्सव

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

एक साल नई मिसाल

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

संकल्प नये उत्तराखण्ड का

विकसित नये उत्तराखण्ड की तस्वीर

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना:

200 लाख मानव दिवस सृजन के लक्ष्य के सापेक्ष 179 लाख (89.50 प्रतिशत) मानव दिवस सृजित, जो माह फरवरी तक के लक्ष्य 188.98 लाख मानव दिवस के सापेक्ष 94.49 प्रतिशत है।

- 56.16 प्रतिशत मानव दिवस महिलाओं द्वारा सृजित किये गये।
- 4.62 लाख परिवारों के 6.21 लाख व्यक्तियों का रोजगार उपलब्ध कराया गया।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन:

17975 समूहों, 1463 ग्राम संगठन एवं 88 क्लस्टर संगठनों का गठन कर 6221 समूहों का रिवाल्विंग फण्ड एवं 5836 समूहों को सामुदायिक निवेश निधि 60343 महिला किसानों को चिन्हित कर फार्म लाइवलीहुड तथा महिला सशक्तिकरण योजना के अन्तर्गत प्रशिक्षण प्रदान कर क्षमता विकास किया गया।

दीनदयाल उपध्याय ग्रामीण कौशल योजना:

योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में आवासित गरीब परिवारों के युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देकर न्यूनतम मजदूरी या इससे अधिक की नियमित मासिक आय वाले रोजगार उपलब्ध कराना है। दीनदयाल उपध्याय ग्रामीण कौशल योजना के वित्तीय वर्ष 2022-23 में (माह फरवरी 2023 तक) कुल 7940 अभ्यर्थियों का प्रशिक्षण पूर्ण किया गया है जबकि 5783 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण उपरांत रोजगार से जोड़ा गया तथा 3677 द्वारा तीन माह अथवा उससे अधिक अवधि का रोजगार पूर्ण किया जा चुका है।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी रूरल मिशन:

योजना का क्रियान्वयन राज्य में वित्तीय वर्ष 2016-17 से किया जा रहा है। मिशन के अन्तर्गत राज्य को तीन चरणों में कुल 6 क्लस्टर चयनित किय गये हैं। योजना के अन्तर्गत विभिन्न घटकों जैसे रोड कनेक्टिविटी, पेयजल सुविधा, कृषि विकास, आजीविका संवर्धन, स्ट्रीट लाइट, शिक्षा में कार्य किया जा रहा है। कुल चिन्हित 6 क्लस्टरों के लिए अब तक कुल प्राप्त धानराशि रू. 93.03 करोड़ के सापेक्ष माह फरवरी 2023 तक रू. 90.53 करोड़ की धनराशि का व्यव किया जा चुका है। कुल 966 कार्यों में से 865 कार्य पूर्ण कर लिये गये है।

प्रधानमंत्री आवास योजना:

ग्रामीण योजनान्तर्गत पात्र सभी बेघर, कच्चे तथा जीर्ण-शीर्ण मकानों में रह रहे परिवारों को वर्ष 2024 तक बुनियादी सुविधयुक्त पक्का आवास उपलब्ध कराने का लक्ष्य है।

- ग्राम विकास महायोजना के लिए रु 925.60 करोड़ का बजट प्रावधान
- मुख्यमंत्री पलायन रोकथाम योजना में रु 25 करोड़ का बजट प्रावधान
- सीमांत क्षेत्र विकास योजना में रु 20 करोड़ का बजट प्रावधान
- 598.10 किमी. लम्बाई की सड़को कें निर्माण कार्य पूर्ण कर वर्तमान तक 250 से अधिक जनसंख्या की 24 बसावटों को सड़क सम्पर्क से संयोजित कर रु 956.94 करोड़ की धनराशि व्यय की गई है।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी www.uttarainformation.gov.in UttarakhandDIPR DIPR_UK uttarakhand DIPR

क्या है फासिज्म, जिसकी आहट कई देशों में!

श्रुति व्यास

आईए, आज 'फासिज्म' पर बात करें। क्यों? इसलिए क्योंकि इन दिनों यह जुमला फैशनेबिल है। शासन का यह अंदाज जहा दुनिया के शासकों में लोकप्रिय हो रहा है वही समझदारों-बुद्धीमानों की चिंता का कारण। इतालवी लेखक और होलोकॉस्ट (जर्मनी में यहूदियों के कत्लेआम) से जिंदा बच निकले प्रीमो लेवी की मानेतो फासिज्म के लिए केवल पुलिसिया आतंक ही पर्याप्त नहीं है बल्कि सूचनाओं तथा जानकारियों को छुपाकर या उन्हे तोड़-मरोड़ कर पेश करने, झूठ से उसकी जमीन तैयार की जाती है। अदालतों को कमज़ोर करके, शिक्षा व्यवस्था को पंगु बनाकर और कई प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तरीकों से जनता के मन में अतीत के उस काल्पनिक काल, जब कुछ ठीक था, को वापस लाने की चाहत पैदा करकेदेश में फासिज्म की भक्ति बनाई जाती है।

हां, दुनिया के समझदार लोकतांत्रिक देशों में भी इन दिनों फासिज्म के क़दमों की आहट सुनायी पड़ रही हैइसलिए हमें चीज़ों को समझना होगा, सतर्क रहना होगा और सही निर्णय लेने होंगे।

वक्त गवाह है कि फासिज्म हमेशा से एक घृणास्पद व डरावना शब्द रहा है। परंतु यह भी सही है कि 'एफ' अक्षर से शुरू होने वाले अंग्रेजी के एक दूसरे शब्द (जिसे शरीफ लोग इस्तेमाल नहीं करते) की तरह, फासिज्म शब्द का प्रयोग भी बिना सोचे-विचारे किसी भी चीज के लिए किया जाता रहा है। जब दूसरा महायुद्ध खत्म होने की ओर था तो लगा था कि फासिज्म की हार होने जा रही है। लेकिनउस समय जार्ज ओरवेल ने भविष्यवाणी की थी कि आगे चलकर यह शब्द एक गाली भर रह जाएगा, जिसका प्रयोग किसी भी व्यक्ति और किसी भी चीज को गलियाने के लिए किया जाएगा - किसान, दुकानदार, सोशल क्रेडिट सिस्टम, शारीरिक सजा, लोमड़ी का शिकार, सांडों की लड़ाई, 1922 की कमेटी, 1944 की कमेटी, किपलिंग, गांधी, च्यांग काई शेक, समलैंगिकता, प्रीसले के रेडियो प्रसारण, यूथ हॉस्टल, ज्योतिष, महिलाएं, कुत्ते।

फासिज्म दरअसल है क्या? यह उन शब्दों में से एक है जो इसलिए कुख्यात हैं क्योंकि उनकी कोई सटीक और पूर्ण परिभाषा नहीं है। मैंने अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के छात्र के नाते कभी फासिज्म को एक विशिष्ट विचारधारा के रूप में नहीं पढ़ा - एक ऐसी विचारधारा जिसकी कोई जड़ हो या जिसका कोई सैद्धांतिकआधार हो जैसे यथार्थवाद या उदारवाद के हैं। ना ही फासिज्म को समझने में कोई थ्यूसीदाइदीज या रूसो हमारी मदद कर सकता है। और ना ही कम्युनिज्म की तरह इसका कोई घोषणापत्र है। यही कारण है कि यदि आप किसी डिक्शनरी में फासिज्म का मतलब ढूढेंगे या इस शब्द को गूगल करेंगे तो जो उत्तर आपको मिलेगा वह निहायत ही अस्पष्ट होगा। और यही कारण है कि फासिज्म को परिभाषित करने या उसका अर्थ समझाने के लिए लगभग हमेशा हिटलर और यहूदियों के कत्लेआम का सहारा लिया जाता है। जाहिर है कि तब यह शब्द भय और अनिष्ट की आशंका पैदा करता है।

इतिहास हमें बताता है कि फासिज्म, दरअसल, पहले महायुद्ध से उपजी विशिष्ट परिस्थितियों की प्रतिक्रिया था। इनमें शामिल था कुछ राष्ट्रों का अपमान, उदारवादी पूंजीवाद से मोहभंग और कम्युनिज्म का उदय। फासिज्म की जड़ों को हम इटली में ढूंढ़ सकते हैं जहां बेनिटो मुसोलिनी इस विचार का अगुआ था। उसने कहा था कि वो देश को इस तरह से बदल डालना चाहता है कि आध्यात्मिक और भौतिक दृष्टि से वह इस हद तक परिवर्तित हो जाए कि उसे पहचानना ही मुश्किल हो जाए। उसकी चाहत अतीत के अंधेरे में गुम हो चुके किसी स्वर्णयुग को वापिस लाने की नहीं थी। वो एक पूर्णत: नए समाज को आकार देना चाहता था।

धीरे-धीरे यह विचार रोमानिया में लोकप्रिय होने लगा, जहां के फासिस्ट आर्थोडॉक्स ईसाई थे। वे हिंसा के सहारे दुनिया को 'पवित्र' बनाना चाहते थे और उनके अनुयायी यूरोप, अमरीका (कू क्लक्स क्लेन) और दुनिया के अन्य इलाकों में थे।

अमरीका की पूर्व विदेशमंत्री और फासिज्म: ए वार्निंग पुस्तक की लेखिका मेडलिन अल्ब्राईट का कहना है कि फासिज्म वामपंथियों, दक्षिणपंथियों या मध्यमार्गियों की विचारधारा नहीं है बल्कि यह एक तरह की प्रक्रिया है जिसमें कोई व्यक्ति या पार्टी, किसी राष्ट्र या किसी समूह का प्रतिनिधि होने का दावा करते हैं, पहले सत्ता पर काबिज होते हैं और फिर हमेशा सत्तासीन बने रहने का प्रयास करते हैं।

साधारण तौर पर फासिज्म को ऐसे समझें: चमकीले भविष्य के बारे में बातें करना और सत्ता पर अपनी पकड़ मज़बूत करते जाना। फासिज्म की शुरुआत एक ऐसे नेता के उदय के साथ होती है जो जनता को एक करने की बजाय बांटता है। वह मुख्यधारा के राजनेताओं को कलंकित करता है और किसी भी कीमत पर राजनैतिक विजय चाहता है। वह जनता को बताता है कि उसका राष्ट्र सबसे महान है हालाँकि आमजनों को 'महानता' की नितांत गलत समझ होती है। जब हम अपने आसपास यह सब होते देखते हैं तो हम उसे केवल 'राजनीति' कहकर नज़रअंदाज़ कर देते हैं। परन्तु ये सब फासिज्म के आगमन के पूर्व संकेत हैं।

हर युग का अपना फासिज्म होता है और हम इस समय अपने दौर का फासिज्म देख रहे हैं। पुतिन के रूस को अब खुलेआम फ़ासिस्ट कहा जाता है, विशेषकर यूक्रेन पर उसके हमले की बाद से। पुतिन कई बार नाजीवाद का हवाला देकर इस हमले को सही ठहरा चुके हैं। दुनिया के अन्य हिस्सों में भी फासिज्म की पदचाप सुनायी पड़ रही है। राजनैतिक पंडित कह रहे हैं कि अमरीका में रिपब्लिकन पार्टी फासिज्म की तरफ बढ़ रही है। ज्योर्जा मेलोनी की चुनाव में जीत के बाद, इटली एक फिर फासिज्म के पंजे में फँस कर फड़फड़ा रहा है। फ्रांस में अगर अति-दक्षिणपंथी मरिन ले पेन की सत्ता स्थापित हो जाती है तो वह देश भी फासिज्म की ओर बढ़ जायेगा।

आज के दौर में लगभग हर देश पर फासिज्म की हलकी या गहरी छाया देखी जा सकती है। हम सभी पर यह खतरा मंडरा रहा है।और हम भी अपने देश में ऐसे चिन्हों को पहचान सकते हैं जिनसे ऐसा लगता है कि फासिज्म हमारी देहरी पर भी आ पहुंचा है?

इतना महंगा यूक्रेन युद्ध

एक तरफ रक्षा पर यूरोपीय देशों को अधिक खर्च करना पड़ा, दूसरी तरफ रूस पर प्रतिबंध लगाने के कारण उन्हें ऊर्जा संकट और असामान्य महंगाई का भी सामना करना पड़ा है। परिणाम सामाजिक अशांति के रूप में सामने आया है।

यूरोप को यूक्रेन युद्ध की बहुत भारी कीमत चुकानी पड़ रही है। उस पर पड़ा बोझ दीर्घकालिक है। यूक्रेन युद्ध का नशा वहां की सरकारों पर इतना छाया कि उन्होंने अपने लिए लाभ की उस स्थिति को भी छोड़ दिया, जो उन्हें दूसरे विश्व युद्ध के बाद से मिली हुई थी। लाभ की इस स्थिति का यूरोप के विकास और वहां के समाजों को समृद्ध बनाए रखने में भारी योगदान था।

यह रक्षा खर्च सीमित रखने का लाभ था, जिसकी वजह से यूरोपीय देश अपने पास मौजूद धन का बड़ा हिस्सा मानव विकास पर खर्च कर पाते थे। लेकिन अब सूरत बदल गई है। सेना पर होने वाला खर्च यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद के एक साल में नई ऊंचाई को छू गया है। बीते तीस सालों में पहली बार यूरोप में सेना पर खर्च में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी हुई है। पिछले साल यह इजाफा 13 फीसदी का रहा। यूक्रेन को सैन्य मदद और रूस की तरफ से कथित खतरे की वजह से यूरोप को हथियारों पर बीते साल ज्यादा पैसे खर्च करने पड़े। नाटो के सदस्य देशों ने कुल मिला कर 2022 में 1,232 अरब डॉलर खर्च किए।

स्वीडिश संस्था सिपरी के मुताबिक यह 2021 की तुलना में 0.9 फीसदी ज्यादा है। पूर्व ईस्टर्न ब्लॉक के कई देशों ने 2014 के बाद से अपना सैन्य खर्च दोगुने से भी ज्यादा कर दिया है। 2014 में रूस ने यूक्रेन के क्राइमिया को अपने साथ मिला लिया था। महंगाई को शामिल कर लें तो ये देश पहली बार 1989 सैन्य खर्च के आंकड़े के पार गए हैं। यह वो साल था जब शीतयुद्ध खत्म हुआ।

मध्य और पश्चिमी यूरोप में ब्रिटेन ने सबसे ज्यादा 68.5 अरब डॉलर खर्च किये है। इनमें से करीब 2.5 अरब डॉलर यूक्रेन को आर्थिक सैन्य सहायता के रूप में दिए गए। एक तरफ रक्षा पर यूरोपीय देशों को अधिक खर्च करना पड़ा, दूसरी तरफ रूस पर प्रतिबंध लगाने के कारण उन्हें ऊर्जा संकट और असामान्य महंगाई का भी सामना करना पड़ा है। परिणाम ब्रिटेन और फ्रांस जैसे देशों में औद्योगिक और सामाजिक अशांति के रूप में सामने आया है। इस अशांति के और फैलने का अंदेशा है।

सू- दोकू क्र.010

	9		1	6		2		7
3								
		6					9	
7			5		1		3	
	8			9		6		2
		4					7	
	3				2	9		6
6		7	3					4
	4			1		7	8	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.09का हल

2	6	3	9	8	7	1	5	4
8	5	1	3	2	4	6	7	9
9	4	7	1	5	6	8	2	3
3	9	8	6	7	1	5	4	2
6	1	2	5	4	3	9	8	7
5	7	4	8	9	2	3	1	6
1	2	6	7	3	5	4	9	8
4	8	5	2	6	9	7	3	1
7	3	9	4	1	8	2	6	5

मौसम की मार-हरेक परेशान

अजय दीक्षित

हमें इस हकीकत को स्वीकार लेना चाहिए कि जलवायु परिवर्तन के घातक प्रभावों ने हमारे जीवन को गहरे तक प्रभावित कर लिया है। इस माह के आरंभ में जहां लोग वातावरण में ठंड महसूस कर रहे थे, पहाड़ों में बर्फबारी हो रही थी और मैदानों में ओला व वर्षा जारी थी। वहीं पिछले कुछ दिनों में मौसम अचानक बदला और बात पारे के चालीस पार जाने की सामने आ गई है। यहां तक कि मौसम विज्ञानी पंजाब, हरियाणा व दिल्ली में लू की चेतावनी देने लगे हैं। लू निस्संदेह, मौसम में बदलाव कुदरत का नियम है। ठंड के बाद गरमी और गरमी के बाद बरसात कुदरत के शाश्वत नियम हैं। लेकिन यह परिवर्तन निर्धारित समय के साथ धीरे-धीरे होता है। जिसमें मानव शरीर धीरे-धीरे उसके अनुकूल खुद को ढाल लेता है। ऐसा ही फसलों व फलों के वृक्षों का भी है, वे मौसम के अनुसार ही खिलते और फलते हैं। हो सकता है अंतिम वैज्ञानिक शोध निष्कर्ष बाद में आएं, लेकिन हमारी फसलों की गुणवत्ता व मात्रा में इस अप्रत्याशित मौसम से गिरावट दर्ज की जा रही है। मानव जाति के लिये यह चेतावनी है कि कुदरत का अंधाधुंध दोहन बंद करके अपनी विलासिता पर लगाम लगाए ताकि वातावरण में तापमान नियंत्रित रह सके। जिससे हम ग्लोबल वार्मिंग के खतरों से बच सकें। अप्रत्याशित मौसम बदलाव का असर जहां हमारी खाद्य सुरक्षा को जोखिम में डाल रहा है, वहीं तमाम तरह की बीमारियों का भी जन्म हो रहा है। दरअसल, बढ़ती आबादी की जरूरतों को पूरा करने तथा मनुष्य की पैसा कमाने की हवस ने हमारे खाद्यान्नों व फल- सब्जियों में इतने रासायनिक पदार्थ भर दिये हैं कि आम आदमी की जीवनी शक्ति लगातार कमजोर होती जा रही है। जिसके चलते हमारा शरीर मौसम की तीव्रता को झेल पाने में सक्षम नहीं हो पाता। दो मौसमों के संधि काल में ज्यादातर लोग फ्लू आदि बीमारियों के शिकार होते रहे हैं। कोरोना संक्रमण भी कमोबेश उन्हीं लक्षणों को दर्शाता है जो मौसम में बदलाव के दौरान आम समय में उभरते रहे हैं। दरअसल, असली खोट हमारी जीवन शैली व खानपान में है। पहले कहा जाता था कि मौसम नहीं बल्कि गरीबी मारती है।

हर साल गर्मी में लू से, ठंड में शीतलहर से और वर्षा ऋतु में बाढ़ से सिर्फ गरीब ही मरता है। लेकिन अब देखने में आ रहा है कि वातानुकूलित वातावरण में रहने वाली तथा पिज्जा- बर्गर खाने वाली पीढ़ी ज्यादा मौसमी बदलावों के प्रभाव की शिकार हो रही है। विडंबना यह है कि हमने शरीर की जीवनी शक्ति कृत्रिम शक्तिवर्धक पदार्थों व रासायनिक दवाओं में तलाशनी शुरू कर दी है।

धार्मिक अतिक्रमण पर पहाड़ से मैदान तक चला बुलडोजर

विशेष संवाददाता

देहरादून। धार्मिक संरचनाओं की आड़ में किए गए अवैध कब्जों को हटाए जाने का काम अब लगातार जारी है। आज पहाड़ से लेकर मैदान तक दर्जनों मजारों पर बुलडोजर चलाकर उन्हें ध्वस्त कर दिया गया। पुलिस और प्रशासन की मौजूदगी में आज सहसपुर, विकासनगर और पौड़ी में कई स्थानों पर बनी अवैध मजारों को हटाया गया, अच्छी बात यह है कि इस दौरान पुलिस प्रशासन को किसी भी तरह के विरोध का सामना नहीं करना पड़ रहा है।

बीते कल विकासनगर के छरबा में चार मजारों को तोड़े जाने के बाद प्रशासन का बुलडोजर सहसपुर क्षेत्र में चलता दिखा। यहां औद्योगिक क्षेत्र में तथा सड़कों के किनारे बनी कई मजारों को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया गया। क्षेत्र में प्रशासन द्वारा 10 मजारों को चिन्हित किया गया था जिन्हें थोड़ा जाना है समाचार लिखे जाने तक इनमें से पांच मजारों को तोड़ा जा चुका था जबकि बाकी मजारों को तोड़ने का काम जारी था। विकासनगर क्षेत्र में चिन्हित की गई 5 मजारों को तोड़ने का काम आज शुरू हो चुका है। शीशम बाड़ा क्षेत्र में बनी मजार को भी आज ध्वस्त कर दिया गया है।

●सहसपुर, विकासनगर व पौड़ी में मजार ध्वस्त
●अब तक 300 मजारे व 30 मंदिर हटाए गए

उधर पौड़ी में आज वन विभाग की जमीन पर बनी अवैध मजारों पर बुलडोजर की कार्रवाई की गई। सतपुली और कोटद्वार से प्राप्त समाचार के अनुसार यह जंगल के अंदर बनी कुछ मजारों को तोड़ा गया है तथा सड़क किनारे कोटद्वार में बनी मजार को भी तोड़ दिया गया है। पहाड़ से मैदान तक अब इन अवैध कब्जों को हटाने का काम तेजी से किया जा रहा है। अब तक राज्य भर में 300 से अधिक धार्मिक संरचनाओं को हटाया गया है जिसमें 29 मंदिर भी शामिल है अब तक की इस कार्रवाई के माध्यम से 70 हेक्टेयर से अधिक वन भूमि को मुक्त कराया गया है। उल्लेखनीय है कि इन धार्मिक संरचनाओं में लगभग 75 फीसदी कुमाऊं मंडल में है। हरिद्वार, हल्द्वानी, कोटद्वार और उधम सिंह नगर में अवैध मजारों की भरमार है।

कार की चपेट में आकर बाईक सवार की मौत, एक घायल

संवाददाता

देहरादून। कार की चपेट में आकर मोटरसाईकिल सवार की मौत हो गयी जबकि उसका साथी गम्भीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार तपोवन एनक्लेव नालापानी रोड निवासी राकेश लाल अपने साथी मयंक गुसांई के साथ रानीपोखरी से घर की तरफ आ रहा था जब वह एसडीआरएफ तिराहे पर पहुंचे तभी सामने से आ रही कार ने उनको अपनी चपेट में ले लिया जिससे राकेश लाल की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि मयंक गुसांई गम्भीर रूप से घायल हो गया जिसको स्थानीय चिकित्सालय में भर्ती कराया।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मृतक के भाई ज्योति लाल की तहरीर पर कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

एक्टिवा की चपेट में आकर राहगीर की मौत

संवाददाता

देहरादून। एक्टिवा की चपेट में आकर पैदल चल रहे व्यक्ति की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सुमन विहार आईडीपीएल निवासी रामेश्वर प्रसाद रतूडी बाजार से पैदल घर की तरफ जा रहे थे। जब वह आईडीपीएल चौकी के पास पहुंचे तभी सामने से तेज गति से आ रहे एक्टिवा सवार ने उनको अपनी चपेट में ले लिया जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गये। आसपास के लोगों ने उनको अस्पताल में भर्ती कराया जहां पर चिकित्सकों ने उनको मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

रवि जैन द्वारा लिखा व गाया गीत 'शियुं छ धामी' का विमोचन

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेसी नेता रवि कुमार जैन द्वारा लिखा व गाया गया गीत 'शियुं छ धामी' का विमोचन किया गया।

आज यहां कांग्रेस भवन देहरादून में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी, पूर्व छात्र संघ उपाध्यक्ष,पूर्व पार्षद ऋषिकेश व भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेता रवि कुमार जैन द्वारा लिखित एवम गाया हुआ एक गीत उत्तराखंड राज्य की वर्तमान सरकार की समस्त काले कारनामों और घोटालों को दर्शाता एक वीडियो गीत 'शियुं छ धामी' का विमोचन किया। 'शियुं छ धामी' एल्बम को राज्य की अग्रणी आन्दोलनकारी स्व. श्रीमती सुशीला बलूनी को समर्पित किया गया, एल्बम लॉन्च करने से पहले सुशीला बलूनी के चित्र पर पुष्प अर्पण एवं 2 मिनट का मौन रखें उनकी आत्मा की शांति की प्रार्थना की गई।

इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने कहा कि रवि जैन ने इस गीत के माध्यम से पूरे प्रदेश की पीड़ा को सुंदर ढंग से उजागर करते हुए भाजपा की राज्य सरकार के काले कारनामों को एक गाने में पिरोने का सराहनीय कार्य किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा की धामी सरकार ने जिस प्रकार राज्य के अन्दोलनकारियों, नौजवानों और युवाओं को छला है जनता इसका बदला भाजपा से जरूर लेगी। उन्होंने कहा कि बेरोजगारों पर लाठीचार्ज, पटवारी भर्ती घोटाला, पेपर लीक कांड, अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, विधानसभा भर्ती घोटाला, अंकिता भंडारी हत्या कांड, 6 पार्षदों द्वारा जनता पर जानलेवा हमला, केबिनेट मंत्री द्वारा आम आदमी की पिटाई आदि सैकड़ों उदाहरणों के साथ उत्तराखंड में जंगलराज फैल गया है। सभी घोटालों एवं काण्डों तथा काले कारनामों में भाजपा के नेता और कार्यकर्ता लिप्त हैं। उन्होंने कहा कि आन्दोलनकारियों को समर्पित यह गाना उत्तराखंड की आवाज बनेगा। कांग्रेस नेता रवि कुमार जैन ने बताया कि, देवभूमि उत्तराखंड विश्व में प्रसिद्ध है तथा राज्य निर्माण के आन्दोलनकारियों की धरोहर है, परन्तु धामी सरकार में जिस प्रकार उतराखंड में अराजकता की स्थिति है और भाजपा सरकार पूर्णतया भ्रष्टाचार में लिप्त है। इस वजह से ऐसे कारनामों से प्रदेश का नाम विश्व में खराब हो रहा है। राज्य आंदोलनकारी होने के नाते उनका हृदय बड़ा द्रवित था, ऐसे राज्य कें लिए हमने लड़ाई नहीं लड़ी थी । शहीदों की आत्मा आज रोती होगी। बस, अंतर्मन की पीड़ा को इस गाने के माध्यम से रख पाऊं ऐसा प्रयास किया है। इस गाने के लिए कांग्रेस संचार विभाग के राष्ट्रीय सचिव वैभव वालिया और राष्ट्रीय संयोजक गौतम नौटियाल से विशेष सहयोग मिला। विमोचन कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष संगठन मथुरादत्त जोशी, राष्ट्रीय सचिव संचार विभाग वैभव वालिया, मुख्य प्रवक्ता गरिमा महरा दसौनी, सोशल मीडिया के प्रदेश अध्यक्ष विकास नेगी महानगर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ जसविंदर गोगी, मदनलाल, अनिल, गौतम नौटियाल आदि उपस्थित थे।

मोबाइल के बाक्स गायब करने पर कोरियर कम्पनी पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने मोबाइल के तीन बाक्स गायब करने के मामले में कोरियर कम्पनी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मौहम्मद युसुफ ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह वह आतिश फाईनेंशियल कन्सलटेन्टस लिमिटेड कम्पनी स्थित प्रथमतल पार्शवनाथ एलेगेन्जा माल नियर सिलवरसिटी सिनेमा राजपुर रोड देहरादून मे सेल्स मैनेजर के पद पर कार्यरत है। उसने 11 अप्रैल 2023 को एक कम्पनी आर्या इन्टर प्राईजज स्थित प्रथमतल एम.डी.डी.ए. काम्पलेक्स नियर घण्टाघर देहरादून के माध्यम से तीन बाक्स का कोरियर कराये थे, जिनमें आठ मोबाईल थे। उपरोक्त तीनों बाक्स 12 अप्रैल 2023 को रुद्रपुर में उपरोक्त तीनों दुकानदारों को डिलिवर्ड होने थे, लेकिन उपरोक्त कोरियर कम्पनी ने तीनों बाक्स समय पर रुद्रपुर तीनों को नही दिये, जिस पर तीनों दुकानदारों के प्रोपराइटर ने उससे फोन पर सम्पर्क किया और कहा कि उनका सामान अभी तक नही पहुंचा है तो इस पर उसने उपरोक्त कोरियर कम्पनी से सम्पर्क किया तो कोरियर कम्पनी ने गाडी खराब होने का बहाना बनाकर शाम तक उसको टालते रहे। उसने 13 अप्रैल 2023 को पुन: कोरियर कम्पनी से सम्पर्क किया और उसने उपरोक्त तीनों बाक्स की जानकारी चाही तो कोरियर कम्पनी उसको कुछ न कुछ बहाना बनाकर टालती रही और उसको कोई सन्तोषजनक उत्तर नहीं दिया। उपरोक्त तीनो बाक्स आज तक भी न तो दुकानदारों को मिले है और ना ही उसके पास वापस आये है। उसको अन्देशा है कि उपरोक्त कोरियर कम्पनी ने उपरोक्त तीनो बाक्स, जिनमें आठ मोबाइल थे, को खुर्द बुर्द कर दिया है।

कोतवाली से चंद कदमों की दूरी पर व्यापारी नेता की दुकान में चोरी

हमारे संवाददाता

नैनीताल। नगर में चोरों के हौसले इतने बुलंद हैं कि कोतवाली से चंद कदमों की दूरी पर ही चोरों ने व्यापारी नेता की दुकान की दीवार पीछे से तोड़कर हजारों रूपए की नगदी सहित अन्य सामान चोरी कर लिया। चोरी की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। वहीं पुलिस ने दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच पड़ताल की जिसमें एक युवक चोरी करता साफ दिख रहा है। फिलहाल मामले में अभी तक कोई तहरीर नहीं दी गई है। चोरी की सूचना मिलते ही व्यापार मंडल के लोग भी दुकान पर पहुच गए हैं जिन्होंने पुलिस से जल्द खुलासे की मांग की है।

जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र स्थित गांधीनगर वार्ड दो निवासी व्यापारी नेता संजय जोशी की कोतवाली से कुछ ही दूरी पर रेलवे फाटक के पास फोटो स्टूडियो की दुकान है। रोजाना की तरह वह मंगलवार की शाम करीब आठ बजे वह दुकान बंद कर घर चले गए।

इस बीच चोरों ने रात में दुकान की दीवार पीछे से तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दे दिया। आज सुबह जब उन्होंने दुकान खोली तो अंदर का नजारा देखकर वह भौचक्के रहे गए। दुकान में पीछे की दीवार टूंटी हुई थी और अंदर का अधिकतर सामान गायब था। चोरी की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जानकारी ली। पुलिस ने दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों की भी जांच की जिसमें एक युवक चोरी करता दिख रहा है। फिलहाल मामले में अभी तक कोई तहरीर नहीं दी गई है। वहीं पुलिस मामले कि जांच पड़ताल कर रही है। व्यापार मंडल के नेताओं ने पुलिस से जल्द से जल्द चोरी की घटना के खुलासे की मांग की है।

एक नजर

इमरान खान की गिरफ्तारी से सुलगा पाकिस्तान

इस्लामाबाद। पूर्व पीएम इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद पाकिस्तान सुलग उठा है। देशभर से हिंसा की खबरें सामने आ रही हैं। इमरान के समर्थक आगजनी और तोड़फोड़ कर रहे हैं। हिंसा के चलते इस्लामाबाद पुलिस ने इमरान को कोर्ट में पेश न करने का फैसला किया है। इमरान को जहां हिरासत में रखा गया है, वहीं कोर्ट लगाई गई और उनकी न्यायिक हिरासत पर सुनवाई चल रही है। जांच एजेंसी नेशनल अकाउंटेबिलिटी ब्यूरो ने इमरान की 14 दिन की न्यायिक हिरासत की मांग की है। पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान मंगलवार को इस्लामाबाद हाई कोर्ट में कुछ मामलों सुनवाई के लिए पहुंचे हुए थे। जब इमरान खान इस्लामाबाद हाईकोर्ट के अंदर अपने बायोमैट्रिक्स करा रहे थे, तभी पाकिस्तानी सेना के रेंजर्स ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। दुनियाभर के कई देशों में इमरान खान के समर्थक उनकी गिरफ्तारी के विरोध में सड़कों पर उतर आए। पीटीआई ने डलास, टोरंटो, शिकागो, न्यूयॉर्क, मैनचेस्टर और लंदन में प्रोटेस्ट के वीडियो शेयर किए हैं। इमरान की गिरफ्तारी के खिलाफ पार्टी पीटीआई ने देशभर में विरोध प्रदर्शन बुलाए हैं। हिंसा को देखते हुए पूरे पाकिस्तान में धारा 144 लगाई जा चुकी है। पाकिस्तान में मोबाइल इंटरनेट के बाद अब ट्विटर सर्विस बंद हो गई। पाकिस्तान दूरसंचार प्राधिकरण ने पुष्टि की कि आंतरिक मंत्रालय के निर्देश पर देश भर में मोबाइल ब्रॉडबैंड को निलंबित कर दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, व्हाट्सएप और फेसबुक समेत तमाम सोशल मीडिया साइट्स को भी बंद कर दिया गया।

कर्नाटक चुनाव में 1 बजे तक हुआ 37.25 प्रतिशत मतदान

नई दिल्ली। कर्नाटक में आज विधानसभा चुनाव के मद्देनजर मतदान हो रहा है। 224 सीटों पर होने वाले चुनाव में कई बड़े नेताओं की किस्मत आज ईवीएम में बंद होगी। मतदान शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो इसके लिए राज्य में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। अब तक कई दिग्गज नेता वोट डाल चुके हैं। चुनाव में 1 बजे तक 37.25% मतदान हुआ । इस बार के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला माना जा रहा है। हालांकि, जेडीएस भी इस चुनाव में बीजेपी और कांग्रेस को कड़ी टक्कर देती दिख रही है। बता दें कि पूरे राज्य में 58545 मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जिन पर वोटिंग होनी है। कर्नाटक में मुख्य राजनीतिक दल बीजेपी, कांग्रेस और जनता दल सेकुलर हैं जिनके बीच मुख्य मुकाबला है। इसमें वर्तमान में बीजेपी सत्ता पर काबिज है और उसने दोबारा सत्ता में वापसी के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में क्या कांग्रेस की 40 प्रतिशत सरकार वाली बात बीजेपी को हरा पाएगी या फिर बजरंग बली के नाम पर बीजेपी कामयाब हो जाएगी? या जनता दल (सेक्युलर) किंगमेकर बनकर उभरेगा? कर्नाटक में निष्पक्ष मतदान कराने और किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोके के लिए कड़ी सुरक्षा-व्यवस्था की गई है। कर्नाटक पुलिस के अलावा अर्ध सैनिक बलों की कई कंपनियां तैनात की गई हैं। इसके साथ ही पड़ोसी राज्यों से भी पुलिस बल बुलाया गया है। वहीं, कर्नाटक चुनाव में लगभगल 3 लाख मतदान कर्मियों को तैनाती की गई है।

राखी सावंत के भाई राकेश सावंत चेक बाउंस मामले में गिरफ्तार

मुंबई। बॉलीवुड की ड्रामा क्वीन राखी सावंत किसी ना किसी वजह से चर्चा में छाई रहती हैं। कुछ महीनों से वो अपनी शाद और अपने पति आदिल की वजह से चर्चा में थी। वहीं दूसरी तरफ अब राखी के लिए एक और बुरी खबर आ रही है। दरअसल राखी के भाई राकेश सावंत को गिरफ्तार कर लिया गया है। खबरों के अनुसार राखी सावंत के भाई राकेश सावंत को चेक बाउंस मामले में गिरफ्तार किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार राकेश को ओशिवारा पुलिस ने 7 मई को गिरफ्तार किया था। जिसके बाद उन्हें 8 मई को अदालत में भी पेश किया गया। जहां से राखी के भाई को राकेश को अब 22 मई तक हिरासत में भेज दिया गया है। बता दें कि राकेश एक निर्देशक, निर्माता और लेखक हैं। राकेश को धारा 138 ए, कोर्ट केस नंबर 96/एसएस/2021 के तहत जमानती वारंट पर फिर से गिरफ्तार किया गया है। अदालत ने उन्हें 22 मई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। मुंबई पुलिस ने मंगलवार को एक्ट्रेस राखी सावंत के भाई राकेश को चेक बाउंस के मामले में गिरफ्तार किया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक बिजनेसमैन ने 2020 में राकेश के खिलाफ शिकायत की थी। उस समय उन्हें पैसे लौटाने की शर्त पर बेल मिली थी, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया जिसके बाद उन्हें दोबारा गिरफ्तार किया गया है। अब इस मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया और अदालत ने उन्हें 22 मई तक रिमांड पर भेज दिया है। पुलिस ने मीडिया को जानकारी दी, 'राकेश आनंद सावंत के खिलाफ अंधेरी की मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट ने नॉन-बेलेबल वारंट जारी किया था।

वन्य जीव तस्कर गिरफ्तार, 40 किलो वजनी कछुवा बरामद

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। वन्य जीव तस्करी का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने एक तस्कर को 40 किलो 500 ग्राम वजनी कछुवे व तस्करी में प्रयुक्त टैक्सी सहित गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी का एक साथी फरार होने में सफल रहा जिसकी तलाश की जा रही है।

जानकारी के अनुसार कल देर शाम थाना दिनेशपुर पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कुछ तस्कर वन्य जीव तस्करी हेतू आने वाले है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को एक संदिग्ध कार जो डाबर फैक्ट्री सड़क से जगदीशपुर मोड की ओर आ रही थी तथा जिसमें दो व्यक्ति सवार थे, को पुलिस ने रूकने का इशारा किया तो उक्त कार के चालक द्वारा वाहन को रोककर तुरन्त खेतों की तरफ दौड़ लगा दी गयी। जिसका पीछा पुलिस टीम द्वारा

किया गया परन्तु धान के खेतो से होते हुए वह व्यक्ति भागने मे सफल रहा।

❑आरोपी का एक साथी फरार, छापेमारी जारी

वहीं पुलिस द्वारा वाहन में बैठे दूसरे व्यक्ति को पकड़ लिया गया। पूछताछ मे अपना नाम मुकेश वाला पुत्र विकास वाला निवासी शक्तिफार्म थाना सितारगंज जिला उधमसिंह नगर बताया। पुलिस द्वारा कार की तलाशी लेने पर कार के बीच वाली सीट पर जूट के बोरे मे रखा हुआ एक बड़ा कछुवा बरामद हुआ। बरामद कछुवे का वजन 40 किलो 500 ग्राम बताया जा रहा है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ सम्बन्धित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश कर दिया है। वहीं फरार हुए तस्कर का नाम महिपाल पुत्र राम स्वरुप निवासी बरेली उत्तर प्रदेश बताया जा रहा है। जिसकी तलाश में छापेमारी जारी है।

वन विभाग ने रिंग रोड में वन भूमि पर बनी मजार ध्वस्त की

संवाददाता

देहरादून। वन विभाग ने रायपुर रेंज स्थित रिंग रोड लाडपुर में वन विभाग की भूमि पर बनी मजार को ध्वस्त किया और ऐसा दूबारा ना हो इसके लिए क्षेत्रीय कर्मचारियों को निर्देश दिये।

आज यहां मसूरी वन प्रभाग के

अन्तर्गत रायपुर रेंज स्थित रिंग रोड लाडपुर अनुभाग में वन क्षेत्राधिकारी राकेश नेगी, रायपुर रेंज व वन विभाग के कर्मचारियों तथा पुलिस विभाग से एसओ रायपुर व उनकी टीम की मौजूदगी में वन भूमि पर अवैध रूप से बनी एक मजार को मौके पर जाकर ध्वस्त कर अतिक्रमित वन भूमि को अतिक्रमण मुक्त किया। उक्त वन भूमि पर पुन: किसी प्रकार का अवैध निर्माण न हो इसके लिए वन विभाग के क्षेत्रीय कर्मचारियों को नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये हैं।

सर दर्द बनी हेली सेवा...

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

श्रद्धालु स्वयं को बेबस महसूस कर रहे हैं। अभी मौसम खराब होने के कारण केदारधाम के लिए 15 मई तक रजिस्ट्रेशन पर रोक लगाई हुई है लेकिन मौसम ठीक होने पर जब श्रद्धालुओं की भीड़ और अधिक बढ़ेगी तब इन व्यवस्थाओं का क्या हाल होगा समझ पाना मुश्किल है। धाम में रहने और खाने की व्यवस्थाओं के साथ श्रद्धालुओं को शौचालय की अव्यवस्था से भी जूझना पड़ रहा है। श्रद्धालुओं की संख्या सीमित रखने के फैसले को सरकार ने वापस जरूर ले लिया है लेकिन इस फैसले से श्रद्धालुओं की परेशानियां और भी अधिक बढ़ने वाली है।

मुख्यमंत्री पहुंचे सुशीला बलूनी के आवास, पुष्प अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी वरिष्ठ आंदोलनकारी सुशीला बलूनी के आवास पर पहुंचे जहां पर उन्होंने उनके पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर उनको श्रद्धांजलि दी इस दौरान कबिना मंत्री गणेश जोशी पर उपस्थित थे।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वरिष्ठ राज्य आंदोलनकारी तथा उत्तराखंड महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती सुशीला बलूनी के निधन पर दु:ख व्यक्त किया है। उन्होंने श्रीमती सुशीला बलूनी के डोभालवाला स्थिति आवास पर जाकर उनके पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोक संतप्त परिजनों को धैर्य प्रदान करने की ईश्वर से कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि पृथक उत्तराखण्ड के निर्माण में श्रीमती सुशीला बलूनी के योगदान को सदैव याद रखा जायेगा। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने भी श्रीमती सुशीला बलूनी को श्रद्धांजलि दी। वहीं बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष मनमोहन कण्डवाल ने कहा कि बहुत दुखद संदेश कि हमारे वरिष्ठ साथी एडवोकेट उत्तराखंड आंदोलन की सबसे लौह स्तंभ रही हमारी वरिष्ठ राज्य आंदोलनकारी तथा महिला आयोग की पूर्व अध्यक्षा हमारी बड़ी बहन श्रीमती सुशीला बलूनी अब हमारे बीच नहीं रही, यह अत्यंत दुखद समाचार समस्त प्रदेशवासियों के साथ-साथ मेरे लिए तो एकदम अविश्वसनीय और अत्यंत ही दुखद है क्योंकि आप हमारे उत्तराखंड के स्वायत्तता की एक अग्रगणनीय प्रतीक थी और राज्य के समग्र विकास और उत्थान के प्रति आपकी सामाजिक तथा राजनीतिक गतिविधियां अद्योपरांत यथावत जारी रही। आपके इस अमूल्य योगदान को राज्य वासी कभी नहीं भूल पाएंगे।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।